



CH  
15/1/80

# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY.

सं. 71]  
No. 71]

नई दिल्ली, सोमवार, फरवरी 10, 1986/माघ 21, 1907  
NEW DELHI, MONDAY, FEBRUARY 10, 1986/MAGHA 21, 1907

इस भाग में विन्न पृष्ठ संख्या दो जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, 10 फरवरी, 1986

अधिसूचनाएँ

मा.का.नि. 104(अ).—केन्द्रीय सरकार, दिल्ली नगर निगम  
अधिनियम 1957 (1957 का 66) की धारा 345क की उपधारा (1)  
द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है,  
अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम  
दिल्ली नगर निगम (अप्राधिकृत संनिर्णय सील बन्द करना) नियम,  
1986 है।

(2) ये तुरन्त प्रवृत्त होंगे।

2 परिभाषाएँ :—इन नियमों में जब तक कि संदर्भ से अपेक्षित  
न हो :—

- (क) 'अधिनियम' से दिल्ली नगर निगम अधिनियम, 1957 (1957  
66) अभिप्रेत है,
- (ख) 'प्रशासक' से दिल्ली सत्र गज्य क्षेत्र का प्रशासक अभिप्रेत  
है,

(ग) 'आयुक्त' से निगम का युक्त आभिप्रेत है,

(घ) 'निगम' से दिल्ली नगर निगम अभिप्रेत है,

(ङ) उन शब्दों और पदों के जो इस में प्रयुक्त हैं, किन्तु परिभाषित नहीं हैं, वही अर्थ होंगे जो उनके दिल्ली नगर निगम अधिनियम, 1957 (1957 का 66) में हैं।

3. अप्राधिकृत संनिर्णयों को सील बन्द करने की रूटि :—(1) आयुक्त या उसके द्वारा इस निमित्त सध्यक रूप से प्राधिकृत कोई अधिकारी, आदेश द्वारा उसमें अभिलिखित किए जाने वाले कारणों से इस निमित्त विशेष रूप से प्राधिकृत किसी व्यक्ति या किसी नगरपालिक अधिकारी या किसी अन्य नगरपालिक कर्मचारी को जो निगम के किसी कनिष्ठ इंजीनियर की पंक्ति से नीचे का न हो, अधिनियम की धारा 345क के अधीन किसी परिसर या अप्राधिकृत संनिर्णय को सील बन्द करने का निर्देश दे सकेगा।

(2) उप नियम (1) के अधीन किए गए आदेश की एक प्रति-ऐसे परिसर या अप्राधिकृत संनिर्णय के सील बन्द किए जाने के ठीक पश्चात परिसर या अप्राधिकृत संनिर्णय के स्वामी या अधिभोगी को परिदत्त की जाएगी और यदि स्वामी या अधिभोगी स्थल पर उपलब्ध

नहीं है तो तब उक्त परिसर या अप्राधिकृत संनिर्माण के किसी सहजदृश्य म्याप पर लगा ही जाएगा।

(3) ऐसी परिसर या अप्राधिकृत संनिर्माण का स्वामी या अधिभोगी निसकी यथास्थिति, परिसर या अप्राधिकृत संनिर्माण को उप नियम (1) के अधीन सील बन्द कर दिया गया है, आयुक्त या उसके द्वारा इस निमित्त मन्यक रूप से प्राधिकृत किसी अधिकारी से ऐसे आदेश का एक प्रभागित प्रति अभिप्राप्त कर मिलेगा।

(4) उप नियम (1) से निर्दिष्ट व्यक्ति, नगरपालिक अधिकारी या नगरपालिक कर्मचारी अप्राधिकृत संनिर्माण को सील बन्द करने से पूर्व (लगभग) मापमान के साथ अप्राधिकृत संनिर्माण का भोटे तौर पर एक स्केच या रेखाक तैयार करेगा।

(5) उप नियम (1) से निर्दिष्ट व्यक्ति, नगरपालिक अधिकारी या अन्य नगरपालिक कर्मचारी ऐसा परिसर के जिसमें अप्राधिकृत संनिर्माण किया गया है या किया जा रहा है या अप्राधिकृत संनिर्माण के बाहरी द्वारा या निकाम को यह सुनिश्चित करने के पश्चात भी बन्द कर सकेगा कि परिसर या अप्राधिकृत संनिर्माण के अन्य निगद्वारों और प्रवेश द्वारों पर समन्वित रूप से ताला लगा दिया गया है, उन्हें बन्द कर दिया गया है या उनकी नार, रस्मी या नार की जाने या कोई अन्य मामग्री लगाकर घेंग बन्दी लगा दी गई है और जहाँ ऐसी परिसर या अप्राधिकृत संनिर्माण को नार, रस्मी या नार की जानी या किसी अन्य मामग्री से नहीं घेंग जा सकता है या उसमें ऐसी अहते की कोई दीवार नहीं है जिसमें उसका सील बन्द करना कठिन होता है, वहाँ यथापूर्वोक्त व्यक्ति, नगरपालिक अधिकारी या अन्य नगरपालिक कर्मचारी को उस रीति से गडबड करने या छेड़छाड़ करने के खिलाफ यह सुनिश्चित करने की दृष्टि से कि कोई भी व्यक्ति उप नियम (1) के अधीन सील को तोड़े या हटाए बिना भवन या अप्राधिकृत संनिर्माण में प्रवेश नहीं कर सके या उसे खोल नहीं सके, कोई अन्य उपाय, जिसके अतिर्गत किसी व्यक्ति की निगरानी करने के प्रयोजनों के लिए तैनान भी है, करने या अपनाने के लिए प्राधिकृत किया जाएगा।

(6) जहाँ कोई परिसर या अप्राधिकृत संनिर्माण जिसके बारे में इस नियम के अधीन सील बन्द किया जाने का आदेश किया गया है, ताला लगा हुआ पाया जाना है या वह आगम्य है, तो वहाँ परिसर या अप्राधिकृत संनिर्माण को सील बन्द करने के लिए प्राधिकृत व्यक्ति, नगरपालिक अधिकारी या कोई अन्य नगरपालिक कर्मचारी, ताला तोड़ सकेगा या उसके किसी द्वारा दरवाजे या किसी अन्य रोध को खोल सकेगा या खुलवा सकेगा और उस अप्राधिकृत संनिर्माण या परिसर से प्रवेश कर सकेगा जहाँ अप्राधिकृत संनिर्माण किया गया है या किया जा रहा है जिसमें कि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अप्राधिकृत संनिर्माण या परिसर भीतर से भलीभांति बन्द है और तब उस परिसर या अप्राधिकृत संनिर्माण पर ताला लगा सकेगा आग उसे सील बन्द कर सकेगा।

परन्तु जहाँ किसी परिसर या अप्राधिकृत संनिर्माण को बल्पूर्वक खोला जाता है वहाँ परिसर में या अप्राधिकृत संनिर्माण के स्थल पर पाए गये मामान या मामग्री की एक नालिवा दो मालियों की उपस्थिति में तैयार की जाएगी और उसकी एक प्रति उम स्थल पर उपरित स्वामी या अधिभोगी वो परिदृश्य बन्द कर दी जाएगी।

(7) उपरोक्त निर्दिष्ट परिसर या अप्राधिकृत संनिर्माण को दिल्ली नगर नियम की मुद्रा में सील बन्द किया जाएगा जो आयुक्त द्वारा इस निमित्त मन्यक रूप से प्राधिकृत अधिकारी की अभिभक्षा में रहेगी।

(8) ऐसा कोई व्यक्ति, नगरपालिक अधिकारी या कोई अन्य नगरपालिक कर्मचारी जिसे परिसर या अप्राधिकृत संनिर्माण को सील बन्द करने का निदेश दिया गया है, इसमें इसके पूर्व उपर्युक्त रीति से ऐसी परिसर या अप्राधिकृत संनिर्माण को सील बन्द किया जाने के पश्चात लिखित रूप से निम्नलिखित को सूचना देगा।—

(क) उम क्षेत्र के पुलिस थाने को जिसमें अप्राधिकृत संनिर्माण या परिसर स्थित है, या

(ख) किसी ऐसे अन्य पुलिस थाने को, जो इस प्रयोजन के लिए इस निमित्त विनियोजित किया जाए, और

(ग) उम अधिकारी को जिसके निदेश पर उस परिसर या अप्राधिकृत संनिर्माण को सील किया गया है।

4 परिसर या अप्राधिकृत संनिर्माण की सील को बिगाड़ा।—कोई ऐसा व्यक्ति, नगरपालिक अधिकारी या नगरपालिक कर्मचारी जाहे वह परिसर या अप्राधिकृत संनिर्माण को सील बन्द करने के लिए प्राधिकृत हो अथवा नहीं, यह पाता है कि यथास्थिति, ऐसी परिसर या अप्राधिकृत संनिर्माण पर इन नियमों के अधीन लगाई गई सील तोड़ दी गई है या या उसको बिगाड़ दिया गया है तो वह उम मामले की एक लिखित रिपोर्ट तुरन्त संबंधित पुलिस थाने को करेगा।

[का नं. 13021/10/84-दिल्ली(i)]

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 10th February, 1986

### NOTIFICATIONS

G.S.R. 104(E).—In exercie of the powers conferred by sub-section (1) of section 345A of the Delhi Municipal Corporation Act, 1957 (66 of 1957), the Central Government hereby makes the following rules namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Delhi Municipal Corporation (Sealing of Unauthorised Constructions) Rules, 1986.

(2) They shall come into force at once.

2. Definition.—In these rules, unless the context otherwise requires :—

(a) "Act" means the Delhi Municipal Corporation Act, 1957 (66 of 1957) ;

(b) "Administrator" means the Administrator of the Union Territory of Delhi ;

(c) "Commissioner" means the Commissioner of the Corporation ;

(d) "Corporation" means the Municipal Corporation of Delhi ;

(e) words and expressions used herein but not defined shall have the same meaning as assigned to them in the Delhi Municipal Corporation Act, 1957 (66 of 1957).

3. Manner of sealing of Unauthorised constructions.—(1) The Commissioner or an officer duly authorised by him in this behalf may, by order and for reasons recorded therein, direct any person specially authorised in this behalf or any municipal officer or any other municipal employee not below the rank of a Junior Engineer of the Corporation to seal any premises or unauthorised constructions under section 345A of the Act

(2) A copy of the order made under sub-rule (1) shall be delivered to the owner or occupier of the premises or unauthorised construction immediately after the sealing of such premises or unauthorised construction and in case the owner or the occupier is not available at the site the said copy may be pasted at some conspicuous place of the said premises or unauthorised construction.

(3) The owner or occupier of the premises or of unauthorised construction whose premises or unauthorised construction, as the case may be, has been sealed under sub-rule (1),